जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय,

दिल्ली विश्वविद्यालय।

नई दिल्ली।

दिल्ली विश्वविद्यालय के **जी -20 अध्यक्षता महोत्सव** के अंतर्गत, **अभिव्यक्ति** (हिंदी वाद विवाद समिति द्वारा आयोजित **अंतर महाविद्यालयी वाद- विवाद प्रतियोगिता**।

दिनांक - 24/02/2023

विषय : विकास का रास्ता विज्ञान और तकनीकी द्वारा ही संभव है।

24 फरवरी 2023 (शुक्रवार) को प्रात: 10:30 बजे ”अभिव्यक्ति” हिंदी वाद विवाद समिति द्वारा अंतर महाविद्यालयी पारंपरिक वाद विवाद का सफलतापूर्वक आयोजन कराया गया I प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ निभा सिन्हा व डॉ रजनी अनुरागी ने निभाई I

प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्याल के प्रसिद्‌ध महाविद्यालयों से आए कुल 16 दलों ने भागीदारी दिखाई।

सभी प्रतिभागियों ने सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए अपना अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। तत्पश्चात निर्णायक महोदया डॉ निभा मैम व डॉ रजनी मैम ने हम सब मार्गदर्शन किया , अंत में अभिव्यक्ति की संयोजिका डॉ विनीता रानी मैम ने प्रतिभागियों की कमियों को इंगित किया तथा भविष्य में सुधार करने के लिए प्रेरित किया
व सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

प्रतियोगिता के विजेता कुछ इस प्रकार हैं:-

- **1st बेस्ट टीम**

ऋतुराज (slot 08)- भुवन(slot 08)

- **2nd बेस्ट टीम**

साक्षी वर्मा(slot 04) – मनीष झा (slot 09)

- **3rd बेस्ट टीम**

रूषद अली (slot 07) - आशुतोष सिंह (slot 15)

- **बेस्ट इंटरजेक्शन**

अदिति खन्ना (slot 06)

परिणाम घोषणा के पश्चात सभी प्रतिभागियों को पुरूकर वितरित किए गए!

अंत में समिति के सदस्यों के साथ समूह चित्र लिया गया।

इस प्रकार कार्यक्रम सम्पन्न हुआ!

धन्यवाद

अभिव्यक्ति परिवार🙏🏻

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय,

दिल्ली विश्वविद्यालय।

नई दिल्ली।

अभिव्यक्ति (हिंदी वाद- विवाद समिति) द्वारा आयोजित **टर्नकोट वाद विवाद प्रतियोगिता ।**

दिनांक: 12/01/2023

विषय : ये सदन मानता है की सब्सिडी वाली योजनाएं व्यक्ति की कार्यक्षमता के विकास में बाधक है ।

12 जनवरी 2023(गुरुवार) को सांय 12:30 बजे सेमिनार कक्ष में "अभिव्यक्ति " द्वारा "सिंफनी '23" के अंतर्गत अंतर महाविद्यालय टर्नकोट वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया।

प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ सुधा उपाध्याय व डॉ पूनम तुषामड़ ने निभाई। प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्याल के प्रसिद्ध महाविद्यालयों सहित अन्य विश्वविद्यालयों से आए कुल 24 प्रतिभागियों ने भागीदारी दिखाई।

सभी प्रतिभागियों ए सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए अपना अपना वक्तव्य प्रस्तुतिकरण किया।
तत्पश्चात अभिव्यक्ति को संयोजिका डॉ विनीता रानी मैम ने हम सब मार्गदर्शन किया, कार्यक्रम की इसी कड़ी मे प्रतियोगियता की निर्णायिका डॉ पूनम तुषामड़ ने विद्यार्थियों की कमियों को अंकित किया तथा भविष्य में सुधार करने की प्रेरणा दी व सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

प्रतियोगिता के विजेता :

प्रथम - जय बैरागी

द्वितीय - ताहिरा

तृतीय - राधिका

प्रोत्साहन

1.श्रेया शुक्ला

2.अदिति खन्ना

परिणाम घोषणा के पश्चात विजेताओं को पुरस्कृत किया गया!

तत्पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

धन्यवाद !

अभिव्यक्ति परिवार 🙏🏻

अभिव्यक्ति हिंदी वाद- विवाद समिति जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के द्वारा प्रस्तुत **नवागंतुक अंतः महाविद्यालय प्रतियोगिता** का सफल आयोजन किया गया।

दिनांक- 5/01/2023

विषय- यह सदन मानता है कि आर्थिक समृद्धि के बिना सामाजिक न्याय संभव नहीं है।

5 जनवरी 2023 को अभिव्यक्ति वाद- विवाद संस्था जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा प्रातः 10:30 बजे अंतः महाविद्यालय वाद- विवाद प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। आयोजन में निर्णायक की भूमिका प्रोफेसर इंदु सोनी और प्रोफेसर अनिल सोलंकी ने निभाई।

कार्यक्रम की शुरुआत अभिव्यक्ति की सदस्या पूजा और मनीषा ने सभी का अभिवादन करते हुए तथा समिति के विषय में बताते हुए किया। उन्होंने सभी को प्राचार्य प्रोफेसर स्वाति पाल का परिचय दिया हालांकि वे उस समय उपस्थित नहीं थी। फिर सभी को निर्णायक मंडल प्रोफेसर इंदु सोनी और प्रोफेसर अनिल सोलंकी तथा संयोजिका प्रोफेसर विनीता रानी और प्रोफेसर संध्या अग्रवाल से परिचित करवाया। प्रतियोगिता में कुल 10 टोलियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को नियमो से अवगत कराया गया। फिर उन्हें उनके स्लॉट के अनुसार अपने विषय की प्रस्तुति के लिए बुलाया गया।

सभी प्रतिभागियों ने पक्ष और विपक्ष दोनों ही बहुत सुंदर तरीके से अपने तर्क वितर्क सभा के सामने प्रस्तुत किए।
सभी प्रतिभागियों द्वारा अपना तर्क वितर्क प्रस्तुत करने के उपरांत संयोजिका प्रोफेसर विनीता रानी ने अपने विचार प्रस्तुत किए कि आर्थिक समृद्धि के बिना भी सामाजिक न्याय संभव है। उन्होंने शिक्षा और जागरूकता को आर्थिक समृद्धि से भी ऊपर रखा।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए निर्णायक मंडल से प्रोफेसर इंदु सोनी ने विषय पर तथा प्रतिभागियों द्वारा दिए गए तर्क वितर्क पर अपने विचार प्रकट कर सभा को समृद्ध किया। उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्न के भी उत्तर दिए। निर्णायकगण ने सभी प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया तथा उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

अंत में अभिव्यक्ति की सदस्या ने निर्णायक मंडल का धन्यवाद किया।

विजेताओं के नाम दो परमाण पर तय किए गए थे पहला जिनका वाद -विवाद अच्छा था दूसरा जिनके तर्क वितर्क अच्छे थे।

सभा में आमंत्रित निर्णायक मंडल प्रोफेसर इंदु सोनी और प्रोफेसर अनिल सोलंकी तथा अभिव्यक्ति की संयोजिका प्रोफेसर विनीता रानी ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया।

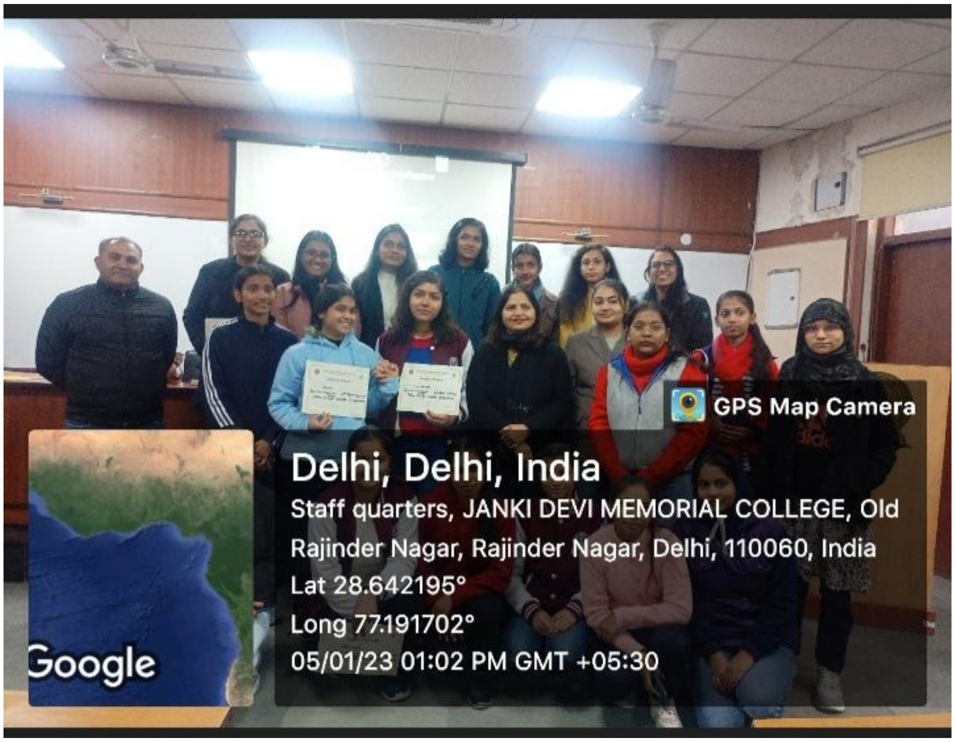

आज की प्रतियोगिता के विजेता कुछ इस प्रकार हैं-

- **प्रथम पुरस्कार- युक्ति, काव्या**
- **दृतिय पुरस्कार- चक्षु, डॉली**
- **तृतीय पुरस्कार- खुशी, आस्था**
- **सर्वश्रेष्ठ तर्क वितर्क कर्ता- काव्या, खुशी**

धन्यवाद।

अभिव्यक्ति परिवार 🙏🏻

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय,

दिल्ली विश्वविद्यालय।

नई दिल्ली।

अभिव्यक्ति (हिंदी वाद- विवाद समिति) द्वारा आयोजित **कार्यशाला।**

दिनांक: 14/12/2022

विषय : पारंपरिक वाद- विवाद

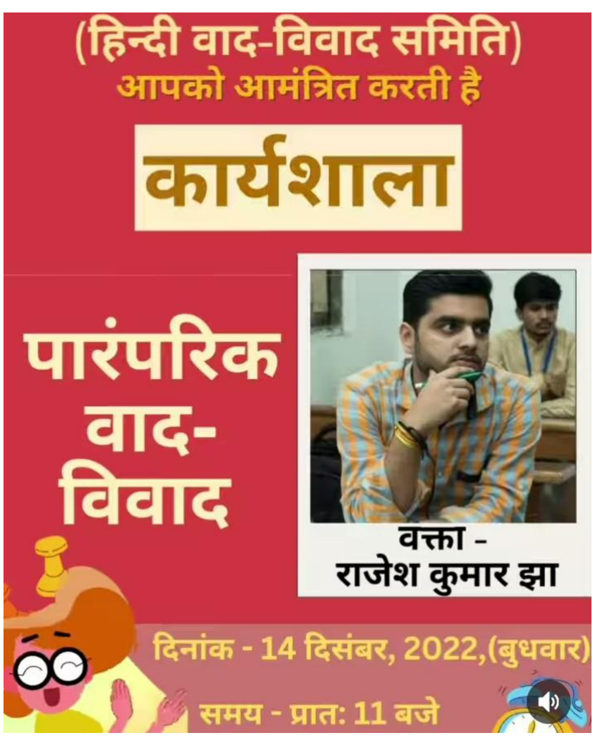

14 दिसंबर,2022(बुधवार) को प्रातः11 बजे अभिव्यक्ति (हिंदी वाद -विवाद समिति) , जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "पारंपरिक वाद -विवाद" पर कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन कराया गया । इसमें मुख्य वक्ता की भूमिका दिल्ली विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्र 'राजेश कुमार झा' जी ने निभाई।

समिति की महासचिव आरती ने कार्यक्रम को शुरू करते हुए ,समिति की संयोजिका डा विनीता राती व प्रोफेसर संध्या गर्ग मैम को धन्यवाद दिया। तत्पश्चात, भैया का परिचय समिति के अन्य सदस्यों से कराया, और उनको मंच पर आमंत्रित किया।
अपने वक्तव्य को शुरू करते हुए भैया ने, सर्वप्रथम सभी सदस्यों को पारंपरिक वाद विवाद का परिचय दिया, तथा इसके बाद निम्न बिंदुओ पर प्रकाश डाला :-

- **सर्वप्रथम सदस्यों को पारंपरिक वाद विवाद से अवगत कराया ।**
- **संसदीय वाद विवाद तथा पारंपरिक वाद विवाद में अंतर स्पष्ट किया।**
- **किसी भी विषय को तैयार कैसे करें, दिए गए विषय से संबंधित सामग्री कैसे इकट्ठा करें।**
- **समिति के सदस्यों को अभ्यास सत्र में निरंतर उपस्थित होने के लिए प्रेरित किया तथा आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अभ्यास सत्र निरंतर होने अवश्य है।**
- **वाद विवाद में वक्तव्य समाप्त होने के बाद, जितना संभव हो छोटे प्रश्नों को पूछें ।**
- **वक्तव्य के दौरान , जितना महत्व - सामग्री, तर्कों का होता है(की आप क्या बोल रहे) उतना ही महत्व आपकी (body language) का है।**

- **इसके अतिरिक्त पारंपरिक वाद- विवाद के कई आयामों से अवगत कराया तथा अपने वाद विवाद संबंधी अनुभवों को साझा किया।**

उपर्युक्त बिंदुओ पर चर्चा करते हुए भैया ने सभी सदस्यों को वाद विवाद करने के लिए प्रेरित किया। अंत में भैया ने वाद विवाद को   व्यवहारिक विज्ञान कहा । वक्तव्य समाप्ति के बाद भैया ने हम सभी सदस्यों के मन में जो भी वाद विवाद संबंधी प्रश्न थे, उनके उत्तर दिए व हम सबको भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के समापन की ओर चलते हुए, समिति की अध्यक्षा सिमरन व उपाध्यक्षा प्रांजलि ने भैया को अभिव्यक्ति परिवार के ओर से भेंट प्रस्तुत की।

अंत में समिति के सभी सदस्यों के साथ एक सामुहिक फोटो ली गई ।

इस तरह से कार्यक्रम की समाप्ति हुई ।

धन्यवाद!!

अभिव्यक्ति परिवार 🙏🏻

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

अभिव्यक्ति हिंदी वाद विवाद समिति द्वारा आयोजित **कार्यशाला।**

दिनांक- 13/12/2022

13 दिसंबर 2022 अभिव्यक्ति हिंदी वाद विवाद समिति जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा प्रात: 10:00 बजे कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यशाला की शुरुआत में प्रथम वर्ष की छात्रा खुशी और काव्या ने जोरदार तालियों से ज्योत्सना सिंह दी का अभिवादन किया। ज्योत्सना दी ने अपनी स्नातक की पढ़ाई जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय से ही पूरी की है और वर्तमान में दी दिल्ली विश्वविद्यालय में राजनीतिक विज्ञान में एम.ए कर रही है। वाद-विवाद की कला से हमारा परिचय कराते हुए उन्होंने वाद विवाद के 3 पहलू पर जोर दिया स्वष्टता, स्वर मान,अभिव्यंजना। यह 3 पहलू वाद विवाद के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया एक अच्छा वक्ता होने के लिए अभ्यास बहुत जरूरी है। अभ्यास से ही हम बहुत कुछ सीख सकते हैं उन्होंने वाद विवाद के महत्वपूर्ण बिंदु को समझाते हुए कहा कि वाद-विवाद करते समय पहले विषय का परिचय दो तीन लाइन का होना चाहिए, दूसरा विषय का मूल बिंदु तर्क पर ध्यान देना चाहिए, तीसरा निष्कर्ष जो छोटा और स्वष्ट होना चाहिए। इस तरह दी ने अपनी बात बताते हुए हम लोग का मार्गदर्शन किया।

कार्यशाला को आगे बढ़ाते हुए हमारे पूर्व अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का अभिवादन किया गया उन्होंने बिहारी के कथन गागर में सागर भरने वाले बात को जोर देते हुए कहा कि हमें कम शब्दों में ज्यादा बात कहनी चाहिए। वाद विवाद करते समय हमें समय का ध्यान रखना चाहिए। हमें अपनी बातों को धैर्य पूर्वक रखना चाहिए। तीनों दी ने अपनी बुलंद आवाज से हम में जोश भर दिया। अपने वक्तव्य

से हमारा हौसला बढ़ाया हमें मे नई ताजगी उमंग सी भर दी। जिससे हम अभिव्यक्ति वाद-विवाद समिति को नई ऊंचाइयों की तरफ ले जाए।

अभिव्यक्ति हिंदी वाद-विवाद समिति आप सभी का तहे दिल से धन्यवाद करती है। हमारी यही आशा है कि आपका भविष्य उज्जवल और सफल हो और इसी तरह आप अपने ज्ञान का सागर सब मे भरते रहे।

धन्यवाद !

अभिव्यक्ति परिवार 🙏🏻

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय ,

दिल्ली विश्वविद्याल

नई दिल्ली।

“अभिव्यक्ति” हिंदी वाद विवाद समिति द्वारा आयोजित **वाद- विवाद प्रतियोगिता।**

दिनांक -: 25/ 11/ 2022

विषय -: यह सदन मानता है कि महिलाओं के प्रति अपराध की रोकथाम हेतु कानून ही एकमात्र विकल्प है।

25 नवंबर 2022 को "अभिव्यक्ति" हिंदी वाद-विवाद समिति जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा प्रातः 10:00 बजे अंतर - महाविद्यालय वाद विवाद प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। आयोजन में निर्णायक की भूमिका डॉ.मनीषा तोमर व डॉ.पूनम यादव ने निभाई।

कार्यक्रम की शुरुआत अभिव्यक्ति की सदस्या मिताली , रुचि और आस्था ने सभी का सहर्ष अभिवादन करते हुए तथा वाद विवाद के विषय में बताते हुए की। उन्होंने सभी को प्राचार्या प्रोफेसर स्वाति पाल का परिचय दिया,फिर सभी को निर्णायक मंडल प्रोफेसर मनीषा तोमर एवं प्रोफेसर पूनम यादव तथा संयोजिका प्रोफेसर विनीता रानी तथा प्रोफेसर संध्या गर्ग से परिचित कराया। प्रतियोगिता में कुल 22 दलों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को नियमों से अवगत कराया गया। फिर उन्हें उनके स्लॉट के अनुसार अपने विषय की प्रस्तुति के लिए बुलाया गया।

सभी प्रतिभागियों ने पक्ष और विपक्ष दोनों ने बहुत ही सुंदर तरीके से अपने तर्क - वितर्क सभा के समक्ष प्रस्तुत किए।

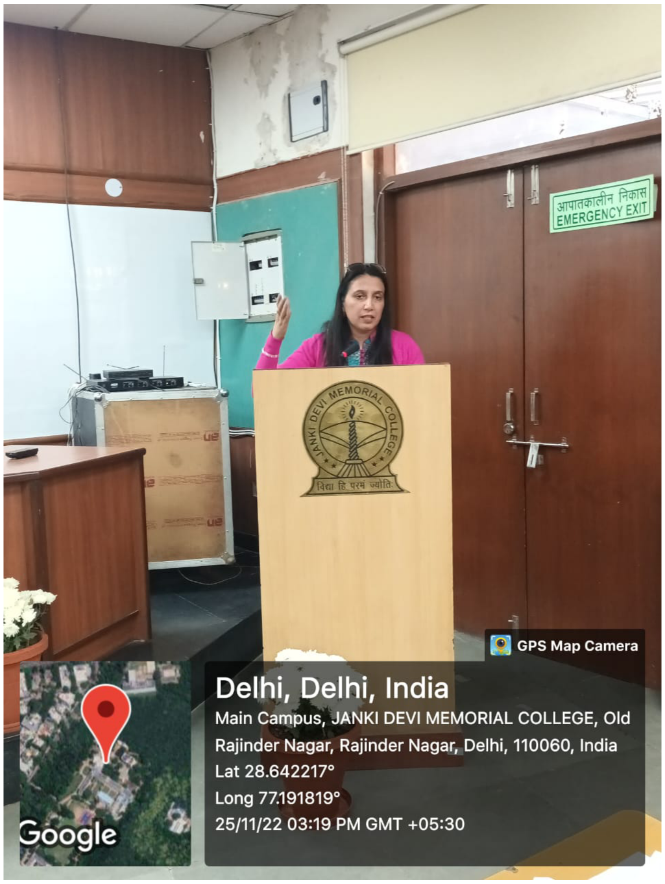

सभी प्रतिभागियों द्वारा अपना पक्ष और विपक्ष प्रस्तुत करने के उपरांत निर्णायक मंडल में डॉ.मनीषा तोमर मैम ने विषय पर तथा प्रतिभागियों द्वारा दिए गए तर्क वितर्कों पर अपने विचार प्रकट कर

सभा को समृद्ध किया। निर्णायकों ने सभी प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया तथा उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए संयोजिका डॉ. विनीता रानी ने अपने विचार प्रस्तुत किए कि कानून एकमात्र स्रोत नहीं है जो महिला के प्रति अपराध को को रोक सकता है, इसके लिए शिक्षा बहुत जरूरी है तथा महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता भी आवश्यक है।

इसके उपरांत ,प्राचार्या प्रोफेसर स्वाति पाल महोदया ने भी प्रतिभागियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और फिर संयोजिका डॉ.विनीता रानी ने पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की।

अंत में संयोजिकयों ने निर्णायक मंडल का धन्यवाद किया और उनके मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

विजेताओं के नाम दो परिमाण पर तय किए गए थे - पहला जिनका वाद-विवाद अच्छा था और दूसरा जिनके तर्क वितर्क में विस्मय था।

सभा में आमंत्रित हिंदी विभाग की सेवानिवृत्त अध्यापिका भी प्रस्तुत थी जिन्होंने निर्णायक मंडल, डॉ . मनीषा तोमर व डॉ. पूनम यादव तथा प्राचार्या के साथ विजेताओं को पुरस्कार के रुप में प्रमाण पत्र आवंटित किए।

आज की प्रतियोगिता के विजेता इस प्रकार हैं-

- **प्रथम पुरस्कार- सौरभ पांडे (किरोड़ीमल कॉलेज) ,कनिष्का शर्मा (शिवाजी कॉलेज)**
- **द्वितीय पुरस्कार- अरशद खान (दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स) ,भावना (रामजस कॉलेज)**
- **तृतीय पुरस्कार - स्वर्णिमा (मिरांडा हाउस),**

कार्तिक (रामजस कॉलेज)

सर्वश्रेष्ठ प्रश्नकर्ता

1. जय बैरागी

2. श्रेया पांडे

धन्यवाद !
अभिव्यक्ति परिवार 🙏🏻

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय ,

दिल्ली विश्वविद्याल

नई दिल्ली।

“अभिव्यक्ति” हिंदी वाद विवाद समिति द्वारा आयोजित **अंतर महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता।।**

दिनांक:26/ 09 /2022

विषय: वर्तमान समय में गांधीजी की प्रासंगिकता

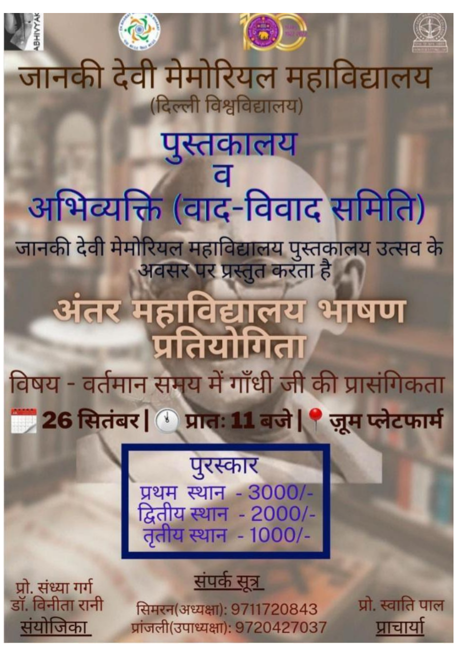

26 सितंबर 2022 को **अभिव्यक्ति** वाद-विवाद संस्था जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज व **पुस्तकालय** द्वारा प्रातः 11:00 अंतर महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस आयोजन में निर्णायक की भूमिका *प्रोफेसर सतीश कुमार* (शहीद भगत सिंह कॉलेज) तथा *डॉ निशा मलिक* (एसोसिएट प्रोफेसर जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज) ने निभाई।

कार्यक्रम की शुरुआत अभिव्यक्ति की सदस्या प्रिया और अनामिका ने सभी का सहर्ष अभिवादन करते हुए तथा समिति के विषय में और पुस्तकालय के विषय में बताते हुए की। उन्होंने सभी को निर्णायक मंडल से परिचित कराया। प्रतियोगिता में कुल 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी ने बड़े ही तर्कसंगत तरीके से विषय से संबंधित तर्कों को सभा के समक्ष रखा।

प्राचार्या प्रोफेसर स्वाति पालने विषय की सराहना की तथा विषय के बारे में समझाते हुए गांधी जी के जीवन से जुड़ी कुछ बातें बताई तथा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

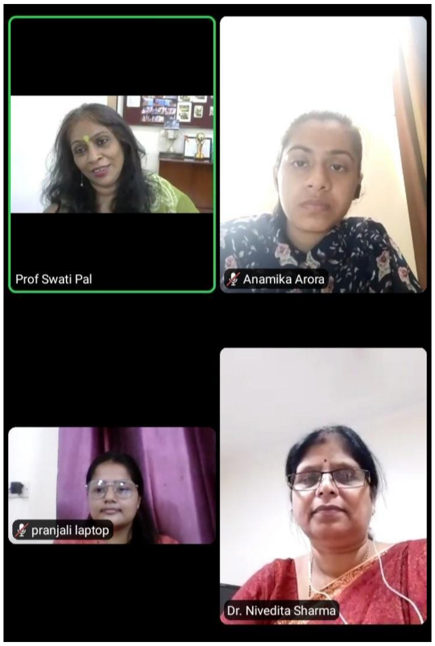

प्रतिभागियों ने गांधी जी की वर्तमान समय में प्रासंगिकता को विभिन्न तर्कों के माध्यम से समझाने का प्रयास किया। गांधी जी के मूल्यों, उनके विचार किस तरह आज के वर्तमान समय में आवश्यक हैं इसको अलग-अलग उदाहरणों के माध्यम से सिद्ध करने का प्रयास किया। कुछ वक्ताओं ने विषय के विपक्ष में अपने विचार रखे।जिसमें उन्होंने समझाया कि आज के आज वर्तमान समय में हम पूर्णता गांधी जी के विचारों पर निर्भर नहीं रह सकते। वर्तमान समय में गांधी जी के मूल्य जैसे कि नैतिकता,अहिंसा, सर्वोदय और शांति को जीवन में अपनाने पर जीवन में अपनाने पर बल दिया। सभी प्रतिभागियों द्वारा अपना वक्तव्य प्रस्तुत करने के उपरांत निर्णायक मंडल ने विषय पर तथा प्रतिभागियों द्वारा दिए गए तर्क वितर्कों पर अपने विचार प्रकट कर सभा को समृद्ध किया। निर्णायकों ने सभी प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया तथा उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

इस तरह यह कार्यक्रम संयोजिका प्रोफ़ेसर संध्या अग्रवाल मेमोरियल, प्रोफेसर विनीता रानी मेम तथा पुस्तकालय की अध्यक्षा डॉ निवेदिता मेम के सानिध्य में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस प्रतियोगिता में ;-

1.प्रथम पुरस्कार

अर्पित कटियार

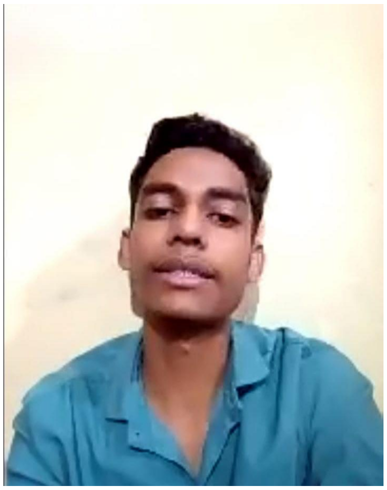

2. द्वितीय पुरस्कार

अनुभव

3.तृतीय पुरस्कार

मनीष कुमार झा

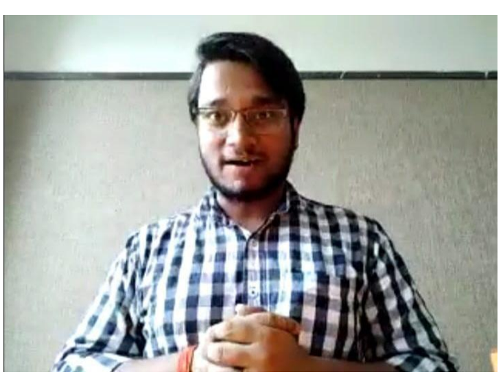

को मिला। अंत में संयोजिकाओं ने निर्णायक मंडल का धन्यवाद किया। उनके मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। आधुनिक दौर में तकनीकी उपकरणों की सहायता से वर्चुअली इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंच संचालन अभिव्यक्ति की अध्यक्षा सिमरन, उपाध्यक्षा प्रांजली, सदस्या अनामिका तथा प्रिया ने किया।

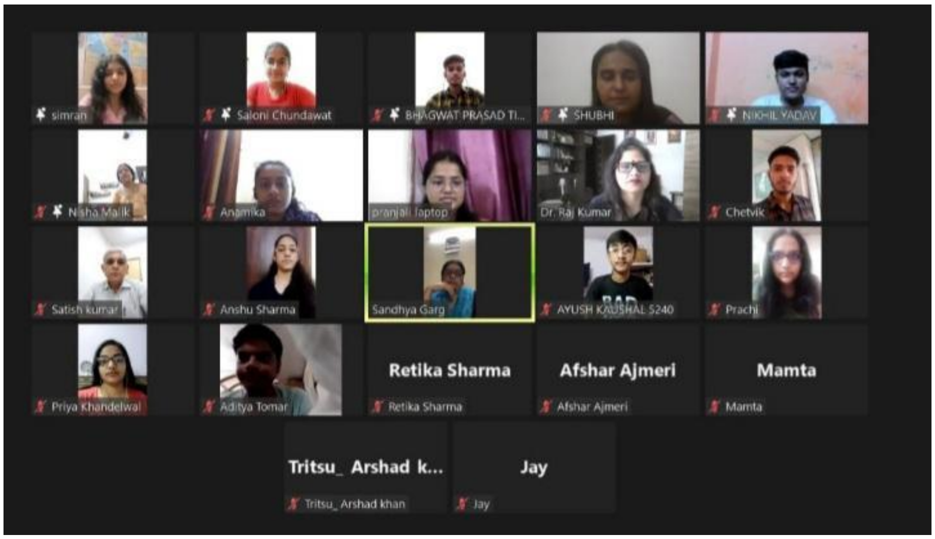

धन्यवाद।

अभिव्यक्ति परिवार 🙏🏻

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय,

दिल्ली विश्वविद्यालय।

नई दिल्ली।

अभिव्यक्ति (हिंदी वाद- विवाद समिति) द्वारा आयोजित **उन्मुखीकरण समारोह।**

दिनांक: 21/09/2022

उन्मुखीकरण समारोह (सभी वर्षो के लिए)

21 सितंबर,2022(बुधवार) को प्रातः11 बजे अभिव्यक्ति (हिंदी वाद -विवाद समिति) , जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उन्मुखीकरण समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन कराया गया l

समिति में सभी वर्षों को सम्मिलित होने का अवसर दिया गया। रिनी और काजल ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सभी को अभिव्यक्ति परिवार के मुख्य सदस्यों व हमारी संयोजिकयों से परिचित करवाया। इसके बाद उन्होंने सभी को अभिव्यक्ति में क्यों शामिल होने चाहिए ये बताया।
कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए , अभिव्यक्ति समिति की मुख्य उपलब्धियों से परिचित करवाया।

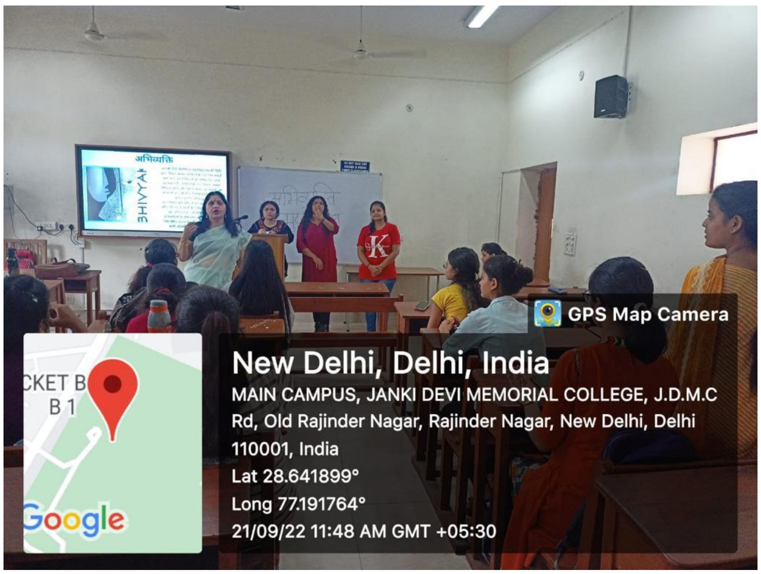

इसके उपरांत समिति की अध्यक्षा सिमरन व उपाध्यक्षा प्रांजलि ने सबको आभार प्रकट करते हुए , समिति में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया।
फिर समिति की संयोजिका डा ॅविनीता रानी मैम ने सभी उपस्थित छात्रों को समिति के मुख्य उद्देश्य , अर्थात् अपने वाचन कौशल को बढ़ाने का साधन बताते हुए , उनका ज्ञानवर्धन किया।

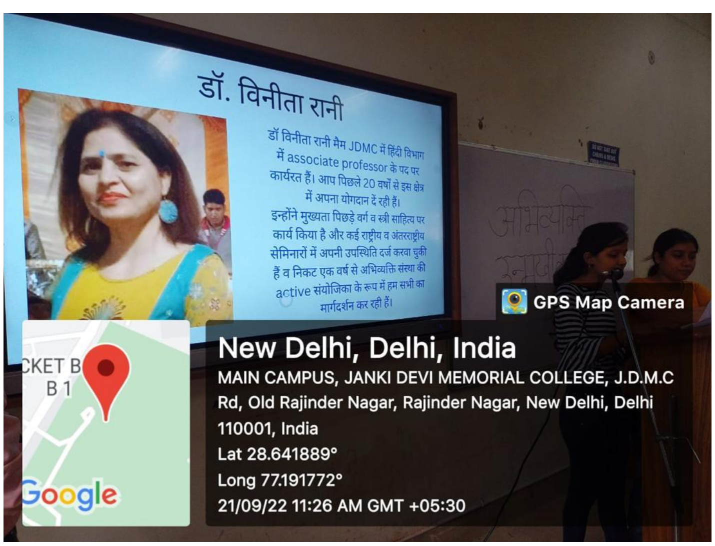

इसी की साथ समारोह को समापन की ओर ले जाते हुए , सभी छात्रों को समिति में सम्मिलित होने की प्रक्रिया से अवगत करवाया गया व सभी के साथ समूह चित्र लिया गया।

धन्यवाद।

अभिव्यक्ति परिवार 🙏🏻

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय,

दिल्ली विश्वविद्यालय।

नई दिल्ली।

अभिव्यक्ति (हिंदी वाद- विवाद समिति) द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता ।

दिनांक- 12/08/22

प्रतियोगिता का विषय- "यह सदन मानता है कि आज़ादी निरंकुशता नहीं स्वाधीनता है" ।

12 अगस्त , 2022 (शुक्रवार), प्रात- 10:00 बजे अभिव्यक्ति (हिन्दी वाद- विवाद संस्था), जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "अंतर महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता २०२२" का प्रस्तुतिकरण कमेटी हॉल में सफलतापूर्वक किया गया ।

कार्यक्रम की शुरुआत अभिव्यक्ति की उपाध्यक्षा प्राजंली तथा सदस्या अनामिका ने सभी का सहर्ष अभिवादन करके की तथा समिति एवं वाद-विवाद के विषय का संक्षिप्त परिचय देते हुए सभी को निर्णायक मंडल से परिचित कराया ।तदुपरांत सदस्या शिवानी ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियमों से अवगत कराते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

प्रतियोगिता में निर्णायकों की महत्वपूर्ण भूमिका प्रोफ़ेसर सुजीत सर और प्रोफ़ेसर संगीता मैम ने निभाई ।

प्रतियोगिता में चयनित 25 प्रतिभागियों में से कुल 18 प्रतिभागियों ने सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए सक्रिय भाग लिया तथा विषय की गंभीरता को समझते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए।

प्रतिभागियों ने बड़े ही तर्कसंगत तरीके से अपने तर्कों को सभा के समक्ष रखा। वक्ताओं ने अपने तर्कों और तथ्यों के माध्यम से स्वाधीनता और निरंकुशता के विभिन्न आयामों को समझाने का प्रयास किया। "किसी ने उड़ती पतंग का उदहारण दिया तो किसी ने लोकतंत्र के संदर्भ में आजादी के मायनों को समझाने का प्रयत्न किया।"

प्रश्न कर्ताओं ने उत्कृष्ट प्रश्न पूछ कर अपनी भूमिका निभाई और इसी श्रंखला में दो सर्वश्रेष्ठ प्रश्न कर्ताओं को सम्मानित भी किया गया।

निर्णायक मंडल ने विषय पर तथा सभी प्रतिभागियों द्वारा रखे गए तर्कों वितर्कों पर पर अपने विचार रखकर सभा को समृद्ध किया।

प्रधानाचार्या प्रोफेसर स्वाति पाल ने अपने वक्तव्य से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनका मार्गदर्शन किया।

प्रतियोगिता के अंत में संयोजिका प्रोफ़ेसर विनिता रानी मैम तथा निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों के वक्तव्यों पर चर्चा करते हुए उनकी सराहना की तथा निष्पक्ष निर्णायक मंडल ने विजेताओं की घोषणा करते हुए सभी को बधाई व भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम कुछ इस प्रकार हैं-

•प्रथम सर्वश्रेष्ठ वक्ता- मदीहा वफा

•द्वितीय सर्वश्रेस्थ वक्ता- अनुभव

•सर्वश्रेष्ठ प्रश्नकर्ता -

1.सत्यम दुबे

2.आशीष पचौरी

अंत में सभी प्रतिभागियों व अभिव्यक्ति के सदस्यों को रिफ्रेशमेंट के कूपन वितरित किए गए। प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज के कमेटी हॉल में संयोजिका एसोसिएट प्रो. विनीता रानी के मार्गदर्शन में सुचारू रूप से तथा सफलतापूर्वक किया गया।

धन्यवाद।

अभिव्यक्ति परिवार 🙏🏻

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय,

दिल्ली विश्वविद्यालय।

नई दिल्ली।

अभिव्यक्ति (हिंदी वाद- विवाद समिति) द्वारा आयोजित **संसदीय वाद-विवाद कार्यशाला।**

दिनांक - 19/06/2022

दिन –रविवार,

शाम– 4 pm , ऑनलाइन एप "गूगल मीट" के माध्यम से अभिव्यक्ति (हिंदी वाद -विवाद समिति) जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संसदीय वाद-विवाद कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन कराया गया ।

यह कार्यशाला छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। इस कार्यशाला का मकसद छात्राओं को वाद– विवाद की अन्य विधा "संसदीय वाद – विवाद" के प्रारूप से अवगत करवाना था। इस कार्यशाला में प्रमुख वक्ता की भूमिका निभाई रामजस महाविद्यालय के वाद – विवाद समिति के इसी सत्र के उपाध्यक्ष "हर्ष सहरावत" ने।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए आरती ने सभी को अभिव्यक्ति परिवार के मुख्य सदस्यों व हमारी दोनो संयोजिका डॉ. विनीता रानी व प्रोफ़ेसर संध्या गर्ग मैम से परिचित करवाया। इसके बाद

आमंत्रित वक्ता हर्ष ने मंच संभाला व संसदीय वाद -विवाद के बारे में हमें बताया, की ये पारंपरिक वाद - विवाद से कैसे अलग है।

कुछ एक दो बात इस प्रकार हैं- " इस विधा में दो प्रतिभागी एक ही दल के पक्ष के नेता व उपनेता होते हैं, वहीं दूसरे दल के विपक्ष का नेता व उपनेता होते हैं, जिनके बीच ये प्रतियोगिता होती है।"

यह प्रतियोगिता कई चरणों में संपन्न होती है व विषय का चुनाव भी इसमें प्रतिभागी दलों द्वारा टॉस के माध्यम से किया जाता है।

इस विधा के नियम पारंपरिक वाद - विवाद से बिल्कुल भिन्न होते हैं।

जैसे की वक्तव्य का समय - प्रथम चरण में 3 मिनट, द्वितीय चरण में 5 व अंतिम चरण में 7 मिनट - 10 मिनिट का वक्तव्य प्रस्तुतिकरण आदि, 10 मिनिट के अंदर ही अपना आर्ग्युमेंट तैयार करके प्रस्तुत करना होता है, जैसे बाकी नियमों से अवगत कराया।

इस विधा में वाद - विवाद करने से डिबेटर में तर्क -वितर्क के कौशल को सकारात्मक रूप से निखारने का मौका मिलता है l

इसके उपरांत समिति ने हर्ष का आभार प्रकट किया l

इसी के साथ समारोह का समापन करते हुए , सभी छात्राओं के साथ समूह चित्र लिया गया l

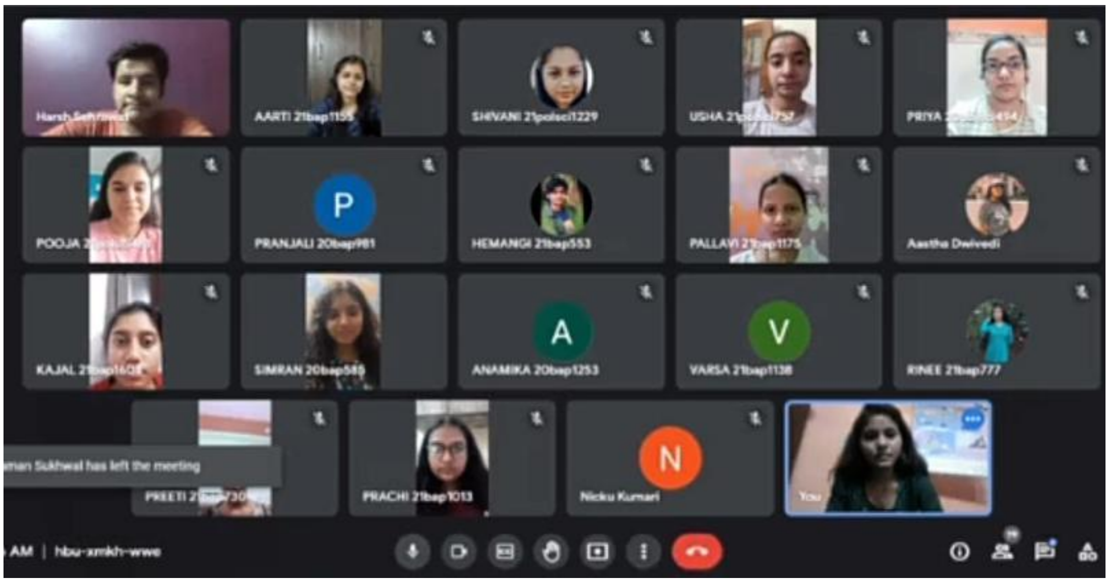

धन्यवाद l

अभिव्यक्ति परिवार 🙏🏻